>>> विवरणिका <<<

राजकीय आदर्श महाविद्यालय देवीधुरा

संक्षिप्त परिचय

राजकीय आदर्श महाविद्यालय देवीधुरा की प्राकृतिक भूसंरचना विलक्षण व असाधारण है। यह स्थल जगत जननी माँ बाराही की उग्र पीठ में आँचल में स्थित है। गगनचुम्बी विशाल शिलाओं, धार्मिक स्थल एवं प्राकृतिक वादियों के परस्पराश्रित सन्निवेश से निर्मित दुष्प्रेवश्य प्राकृतिक देवभूमि में उच्च शिक्षा को संचालित करने के लिए नवनिर्मित संस्था स्थापित की गयी है। यहाँ का प्राकृतिक वातावरण एवं धार्मिक दैवीय आस्था स्थल तथा पौराणिक आश्रम पद्धति की तरह शांतिपूर्ण वातावरण तथा यहाँ के वासियों का सौहार्दपूर्ण सहयोग उच्चशिक्षा को अपने पराकाष्ठा तक पहुँचाने के लिए तत्पर है। महाविद्यालय में शांतिपूर्ण वातावरण, कुशल, अनुशासन, उच्च शिक्षित महाविद्यालय परिवार एवं छात्र/छात्राओं की लगनशीलता एवं कर्मठता की वजह से इस धार्मिक स्थल पर महाविद्यालय को उत्तराखण्ड के मानचित्र में एक शैक्षिणिक हब बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उत्तराखण्ड शासन में सत्र 2014/2015 में अनुमोदित 16 नवनिर्मित महाविद्यालयों में से इस महाविद्यालय को चम्पावत जिले के आदर्श महाविद्यालय के रूप में घोषित किया गया तथा साथ ही केन्द्र सरकार द्वारा 12वीं पंचवर्षीय योजना में उच्चशिक्षा को साधन सम्पन्न बनाने के लिए प्रारम्भ किये गये राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत इस महाविद्यालय को आदर्श महाविद्यालय के रूप में विकसित किये जाने हेतु भवन निर्माण का कार्य किया गया। छात्र/छात्राओं के सर्वागीण व्यक्तित्व विकास एवं सामान्य जागरूकता के लिए महाविद्यालय में समय-समय पर विभिन्न जागरूकता अभियानों एवं शिक्षणेत्तर क्रियाकलापों का संचालन किया जाता है। उच्च शिक्षा की उपादेयता एवं भविष्य में उनकी उत्कृष्टता और कौशल परक जीवन की डोर को आगे बढ़ाने के लिए समय-समय पर महाविद्यालय में व्याख्यान मालाओं का आयोजन एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

>>> विजन और मिशन

जिला देवीधुरा, चम्पावत के पिछड़े इलाकों के छात्रों का गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।

कॉलेज के मुख्य उद्देश्य व विजन-क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्रदान करना, व्यावसायिक गुणों को विकसित करना व व्यक्तिगत गुणों को विकसित करना।

न्याय, अभिगम, उत्कृष्टता, शोध और कौशल विकास इत्यादि क्षेत्रों में प्राप्त किये जाने वाले विशेष परिणामों का विवरण-मानविकी और सामान्य विज्ञान के क्षेत्र में डिग्री कार्यक्रम संचालित करने के अतिरिक्त महाविद्यालय विविध व्यावसायिक कार्यक्रम और ऐसे पाठ्यक्रमों का संचालन करेगा जिससे इन उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके।

>>> संकाय व विषय

वर्तमान में महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर कला व विज्ञान संकाय के विषयों में अध्ययन होता है। कला संकाय में हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान व समाजशास्त्र तथा विज्ञान संकाय में जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान व गणित की कक्षायें सुचारू रूप में संचालित हो रही हैं।

>>> महाविद्यालय की प्रमुख गतिविधियाँ एवं सुविधाएँ-

खेल सम्बन्धी विभिन्न गतिविधियों में विद्यार्थियों की प्रतियोगितायें।
मुख्यमंत्री नवाचार योजना के तहत हर्बल गार्डन परियोजना।
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं योजना के अर्न्तगत छात्राओं हेतु कोचिंग कक्षाओं का संचालन।
एन0एस0एस0 एवं रोवर्स-रेजंर्स गतिविधियाँ
अभिभावक-शिक्षक संघ एवं छात्र संघ का संगठन
कैरियर काउन्सलिंग सम्बन्धित गतिविधियाँ
स्मार्ट क्लास के माध्यम से शिक्षण
पेयजल हेतु वॉटर प्यूरिफायर की सुविधा
वाई-फाई कैम्पस
पत्रिका “अमोलिका” का सम्पादन व प्रकाशन
अत्याधुनिक कक्षा-कक्ष एवं पुस्कालय
छात्रावास की सुविधा
शिकायत निवारण एंव सहायता केन्द्र प्रकोष्ठ का गठन
महिला यौन उत्पीड़न समिति का गठन
एन्टी रैगिंग समिति का गठन
सी0सी0टी0वी0 आच्छादित परिसर
सांस्कृतिक गतिविधियाँ

>>> महाविद्यालय स्टाफ-

प्राचार्य-
डॉ0 गीता श्रीवास्तव
कला संकाय-
डॉ0 किरन बाली-असि0प्रो0 अंग्रेजी
डॉ0 दीपक जोशी-असि0प्रो0 राजनीति विज्ञान
डॉ0 हेम चन्द्र - असि0प्रो0 संस्कृत
श्रीमती कविता अप्रेती- असि0प्रो0 हिन्दी
डॉ0 प्रभदीप सिंह- असि0प्रो0 समाजशास्त्र (गेस्ट फैकल्टी)
विज्ञान संकाय-
डॉ0 रजनी मेहरा - असि0प्रो0 जन्तु विज्ञान
डॉ0 सन्दीप सिंह- असि0प्रो0 वनस्पति विज्ञान (गेस्ट फैकल्टी)
डॉ0 गरिमा पुनेठा- असि0प्रो0 रसायन विज्ञान (गेस्ट फैकल्टी)
डॉ0 गायत्री जोशी- असि0प्रो0 भौतिक विज्ञान (गेस्ट फैकल्टी)
डॉ0 नवीन मेहरा- असि0प्रो0 गणित (गेस्ट फैकल्टी)
शिक्षणेत्तर कर्मचारी-
श्री भास्करानन्द पंत- पुस्तकालय लिपिक
श्री भगवती प्रसाद- कनिष्ठ सहायक
श्री भगवान राणा-चौकीदार (उपनल)
श्री रमेश सिंह- अनुसेवक (उपनल)
श्री दयाराम- पर्यावरण मित्र (उपनल)
श्री दीपक पाण्डे- बुकलिफ्टर (उपनल)
श्रीमती पुष्पा सामन्त- अनुसेवक (उपनल)

>>> आचार नियमावली-

प्रत्येक छात्र-छात्रा को महाविद्यालय द्वारा निर्गत परिचय पत्र सदैव अपने साथ लाना अनिवार्य है।
प्रत्येक छात्र-छात्रा को नियत वेश-भूषा में आना अनिवार्य है।
महाविद्यालय परिसर में मादक पदार्थों का सेवन करना वर्जित है।
महाविद्यालय परिसर में रेगिंग सम्बन्धी किसी भी प्रकार की गतिविधियाँ वर्जित है।
महाविद्यालय में सिंगल यूज प्लास्टिक वर्जित है।
महाविद्यालय प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है।